कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MHD–24

## हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि ( एम. ए. हिन्दी )
## ( एम. एच. डी. )
## सत्रांत परीक्षा
## दिसम्बर, 2024
## एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–2

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) गरज आपनी आप सो, रहिमन कही न जाय।
जैसे कुल की कुल वधू पर घर जात लजाय॥

(ख) मूलन ही की जहाँ अधोगति केशव गाइय।
होत हुताशन धूम नगर एकै मलिनाइय।
दुर्गति दुर्गन ही जु कुटिल गति सरितन ही में।
श्रीफल को अभिलाष प्रगट कवि कुल के जी में।



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) मोर-पखा 'मतिराम' किरीट मैं, कंठ बनी बनमाल सुहाई;
मोहन की मुसकानि मनोहर, कुंडल डोलनि मैं छवि छाई।
लोचन लोल बिसाल बिलोकनि, को न बिलोकि भयो बस माई ?
वा मुख की मधुराई कहा कहौं ? मीठी लगै अँखियान-लुनाई॥

(घ) झहरि-झहरि झीनी बूँद है पारित मानो,
घहरि-घहरि घटा घेरी है गगन में।
आनि कह्यो स्याम मो सौं 'चलौ झूलिबे को आज'
फूलो ना समाती भई ऐसी हौं मगन मैं॥
चाहत उठ्योई उठि गई सो निगोड़ी नींद,
सोय गए भाग मेरे जागि वा जगन में।
आँख खोलि देखौं तौ न घन हैं, न घनस्याम,
वेई छाई बूँदैं मेरे आँसु ह्वै दृगन में॥

2. रीतिकाल की कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. रीतिकाल के नीति कवियों के अवदान का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. रीतिकाल के विकास में केशव के योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

5. देव के काव्य-सौष्ठव पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) मतिराम की काव्य-भाषा

(ख) रहीम का काव्य : हिन्दी आलोचकों की दृष्टि में

(ग) नायक-नायिका भेद

(घ) प्रताप साहि

× × × × × × ×



Downloaded from www.IGNOUBABA.com